

अमेरिका का सी-गार्जियन ड्रोन

प्रलिमिंस के लिये

MQ-9B सी-गार्जियन अनमैड ड्रोन, पी-8I पोसाइडन विमान

मेन्स के लिये

रक्षा अधगिरहण प्रक्रिया-2020 और संबंधित विभिन्न पहलू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय नौसेना ने दो अमेरिकी MQ-9B सी-गार्जियन अनमैड ड्रोन को अपने बेड़े में शामिल किया है। इन दोनों ड्रोन को भारतीय नौसेना द्वारा एक वर्ष के लिये लीज़ पर लिया गया है।

प्रमुख बंदी

MQ-9B सी-गार्जियन



- यह अमेरिका के प्रडिटर MQ9 अनमैड एरयिल व्हीकल (UAV) का समुद्री संस्करण है।
- यह लगभग 40 घंटे से अधिक समय तक 40000 फीट की अधिकतम ऊँचाई पर उड़ान भर सकता है।
- इसमें 3600 मरीनटाइम सर्विलांस रडार और एक वैकल्पिक मल्टीमोड मरीनटाइम सरफेस सर्च रडार शामिल है, जिससे भारतीय नौसेना की सर्विलांस क्षमता में काफी वृद्धि होगी।
- इसका उपयोग एंटी-सरफेस वारफेयर, एंटी-सबमरीन वारफेयर, आपदा राहत, खोज तथा बचाव और कानून प्रवर्तन (ड्रग तस्करी, अवैध आप्रवासन और समुद्री चोरी को रोकने) जैसे ऑपरेशन में किया जा सकता है।

अधगिरहण

- यह पहली बार है जब चीन के साथ सीमा पर चल रहे गतरिध के बीच भारतीय नौसेना ने केंद्र सरकार द्वारा सशस्त्र बलों को दी गई आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करते हुए अमेरिका की एक कंपनी के साथ लीज़ अनुबंध के माध्यम से दो नगिरानी ड्रोन को अपने बेड़े में शामिल किया है।
 - आपातकालीन शक्तियों के तहत केंद्र सरकार ने चीन के साथ बढ़ते सीमा गतरिध के मद्देनज़र युद्धोपकरण (Ammunition) और हथियारों की खरीद के लिये तीनों सशस्त्र बलों को प्रतापरयोजना 500 करोड़ रुपए के आपातकालीन कोष की अनुमति दी है।
- भारतीय नौसेना ने इन ड्रोन को [रक्षा अधगिरहण प्रक्रिया \(DAP\) 2020](#) में रक्षा उपकरणों के अधगिरहण के लिये लीज़ के नए विकल्प का उपयोग करते हुए प्राप्त किया है।
 - रक्षा अधगिरहण प्रक्रिया (DAP) 2020 में सस्ती दरों पर रक्षा उपकरण प्राप्त करने के उद्देश्य से 'लीज़' (Lease) को एक श्रेणी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
 - यह श्रेणी उन सैन्य उपकरणों के लिये उपयोगी साबित होगी, जो वास्तविक युद्ध में उपयोग नहीं किये जाते हैं जैसे- परिवहन बेड़े, ट्रेनर,

महत्त्व

- यद्यपि भारतीय नौसेना द्वारा इन ड्रोनस का उपयोग मुख्यतः हदि महासागर में नगिरानी के लयि कयि जाएगा, कति आवश्यकता पड़ने पर इन्हें चीन की सीमा पर नगिरानी के लयि भी तैनात की जा सकता है।
 - भारतीय नौसेना ने पहले से ही पी-8। पोसाइडन (P8। Poseidon) वमिन को लद्दाख में तैनात कर दयिा है।
 - पी-8। पोसाइडन वमिन, अमेरिका की बोइंग कंपनी द्वारा वकिसति P-8A पोसाइडन (P-8A Poseidon) वमिन का ही एक प्रकार है।
 - बोइंग के P-8A पोसाइडन वमिन को लंबी दूरी के एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW), एंटी-सरफेस वारफेयर (ASuW), और खुफयिा तथा नगिरानी मशिनों के लयि वकिसति कयिा गया है।
- बल के पुनरगठन के हसिसे के रूप अब नौसेना अधकि-से -अधकि अनमैड उपकरणों को तैनात करने पर वचिार कर रही है, जसिकी वजह से MQ-9B सी-गार्जयिन अनमैड ड्रोनस नौसेना के लयि काफी महत्त्वपूर्ण हो सकता है।
- जब तक क नौसेना को अमेरिका से ड्रोन खरीदने की मंजूरी नहीं मलि जाती, जसिके लयि रक्षा अधगिरहण परषिद (DAC) की मंजूरी की आवश्यकता होगी, तब तक 'लीज़' को एक बेहतर वकिल्प के रूप में देखा जा सकता है।
 - रक्षा अधगिरहण परषिद (DAC) तीनों सेनाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) तथा भारतीय तटरक्षक बल के लयि नई नीतयिों और पूंजीगत अधगिरहण पर नरिणय लेने हेतु रक्षा मंत्रालय के अधीन सर्वोच्च संस्था है।

स्रोत: द हद्वि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sea-guardian-drones-from-us>

